AMAR UJALA MY CITY Page 2

सस्ती दवाओं के विकास पर ब्राजील संग मिलकर शोध करेगा लविवि

लखनऊ। कोरोना से निपटने को कई शोध, अनुसंधान व प्रयोग जारी हैं। देश के साथ-साथ विदेशों में भी इस पर काफी काम हो रहा है। इसी क्रम में लखनऊ विवि की ओर से इंडो-ब्राजीलियाई ई-संगोष्ठी 'सॉलिड स्टेट प्रॉपर्टीज ऑफ फ़ार्मास्यूटिकल्स' का आयोजन किया जा रहा है। ताकि सस्ती व प्रभावी दवाओं के विकास पर काम किया जा सके।

लविवि और फेडरल यूनिवर्सिटी स्यारा, ब्राजील ने संयुक्त रूप से भौतिकी विभाग की ओर से दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। इसमें लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कहा कि औषध विज्ञान महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक है। हम सभी इसके विशेष रूप से वाणिज्यिक, व्यावसायिक और रणनीतिक पहलुओं के बारे में चिंतित हैं कि जनसाधारण के लिए दवाओं को कैसे सस्ता बनाया जा सकता है। प्रो. संजीव कुमार वार्ष्णेय हेड, इंटरनेशनल डिवीजन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने कहा कि दवा निगमों का प्राथमिक कार्य मरीजों की भलाई को बेहतर बनाने वाली प्रभावी दवाओं, टीकों और सेवाओं की खोज और उत्पादन है। भारत और ब्राजील दोनों ही उभरती हुई अर्थव्यवस्थाएं हैं। जिन्हें न केवल लागत में कटौती करने के लिए बल्कि समय बचाने के लिए नए फार्मास्युटिकल अणुओं के सह-विकास पर भी काम करना चाहिए। उन्होंने भारत में वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देने और अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक सहयोग पर भी ध्यान केंद्रित किया।

ई-संगोष्ठी में विशेषज्ञों ने व्यक्त किए विचार

ई-संगोष्ठी में ब्राजील के समन्वयक प्रो. आलेहांद्रो पेद्रो ऑयला ने बताया कि ब्राजीलियाई शोधकर्ताओं द्वारा फार्मास्युटिकल को-क्रिस्टल्स के महत्व और उनके बहुरूपों को उजागर किया गया। साओ पाउलो विश्वविद्यालय के प्रो. हाबिएर एलेना ने कुछ एंटी-कैंसर दवाओं पर चर्चा की। एलयू भौतिकी विभाग की अध्यक्षा प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि यह तकनीक नई दवाओं के डिजाइन और विकास के लिए बहुत उपयोगी है। प्रो. अमृतेश चंद्र शुक्ला और जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन एंड टेक्नोलॉजी से प्रो. पापिया चौधरी ने संगोष्ठी में अपने विचार साझा किए। विभिन्न प्रतिभागियों के शोध कार्य को प्रेरित करने के लिए ई-संगोष्ठी के दौरान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 20 से अधिक पोस्टर आमंत्रित किए गए और उन्हें प्रदर्शित भी किया गया।

HINDUSTAN Page 6

एलयू के योग विशेषज्ञ बता रहे सेहत सुधारने के उपाय

लखनऊ। कोरोना संक्रमण के खतरे को कम करने के लिए हमारी दिनचर्या क्या होनी चाहिए? घर में बैठकर कैसे अपने शरीर की ऊर्जा को बढ़ा सकते हैं? आपके ऐसे ही सवालों के जवाब लखनऊ विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ ऑनलाइन दे रहे हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय के योग संस्थान की ओर से योग इंस्टीट्यूट लखनऊ विश्वविद्यालय के नाम से यूट्यूब चैनल की शुरुआत की गई है। विश्वविद्यालय के योग गुरु डॉ. अमरजीत यादव के मार्गदर्शन में यह यूट्यूब चैनल चलाया जा रहा है। करीब तीन सप्ताह पहले इसे सक्रिय किया गया है। चैनल पर विश्वविद्यालय के शिक्षकों और छात्रों द्वारा सामान्य योगासन से जुड़े वीडियो अपलोड किए गए हैं। डॉ. अमरजीत यादव ने बताया कि छोटे-छोटे वीडियो के माध्यम से सामान्य योगासन समझाने की कोशिश की जा रही है।

एलयू:शिक्षकों ने किया जागरूक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के शिक्षकों ने गुरुवार को जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। शांतिपुरम, तालकटोरा रोड और आलमबाग में स्ट्रीट वेंडर, दिहाड़ी मजदूरों, होम क्वारंटाइन परिवारों और बच्चों को मास्क, दस्ताने और खाद्य वस्तुएं भी बांटी गयीं। प्रो. अनूप कुमार भारतीय ने शांतिपुरम और आलमबाग के कुछ क्षेत्रों में अभियान चलाया।

NBT Page 3

लॉकडाउन में कहां रह रहे स्टूडेंट्स, देना होगा ब्योरा

■ एनबीटी, लखनऊ : प्रदेश भर की यूनिवर्सिटी और कॉलेजों को उनके स्टूडेंट्स का लॉकडाउन की अवधि का ब्योरा जुटाना होगा। यूजीसी की ओर से नए सत्र को लेकर गठित हुई कमिटी ने ये निर्देश दिए हैं। इसका उद्देश्य यह है कि लॉकडाउन के दौरान अगर वह किसी हॉट स्पॉट इलाके में रहे होंगे तो उनके लिए अगल से गाइडलाईंस जारी की जाएंगी। यह रिपोर्ट नए सत्र के शुरू होने से पहले देनी होगी।

लॉकडाउन की वजह से एलयू समेत सभी कॉलेजों में सत्र शुरू होने में दो माह लेट हो चुका है। अगस्त माह से पुराने सेशन की क्लास और सितंबर से नये सेशन की शुरुआत की जाएगी। इससे पहले सभी कॉलेजों और यूनिवर्सिटी को अपने स्टूडेंट्स से ये पूछना होगा कि लॉकडाउन के दौरान वह किस शहर, गांव, कस्बे या मोहल्ले में थे।

यूजीसी की ओर से गठित कमिटी ने यूनिवर्सिटी और कॉलेजों को दिए निर्देश

TOI Page 2

LU, AKTU serve meals to needy

Lucknow: Two state universities — Dr APJ Abdul Kalam Technical University and Lucknow University — have fed around a lakh people during lockdown with the support of its alumni, teaching and non-teaching employees. The food is cooked on the campus, packed and later distributed among needy. AKTU vice-chancellor Vinay Kumar Pathak said about 2,000 food packets are distributed daily. LU vice-chancellor Alok Kumar Rai said, "We are distributing around1,200-1,500 food packets per day." TNN

THE PIONEER Page 3

Varsity releases first-ever virtual cultural magazine

PNS ■ LUCKNOW

Vice-Chancellor Lucknow University Alok Rai released the university's first-ever virtual cultural magazine titled 'Hope in the Times of Covid-19'. The e-magazine is a presentation of the university students' myriad performances.

In a message to the students, Rai said that during these times when collective human spirit and enthusiasm has taken the biggest hit, the showcasing of talented students makes the promise of sustaining humanity through hope and positivity.

The e-magazine was released on the eve of Ayushman Bharat Diwas as a symbolic prayer of health, happiness and prosperity of the nation as well as the world. The magazine has been conceptualised and visualised by director of LU's cultural wing 'Sanskritiki' Rakesh Chandra, and edited by Madri Kakoti from the department of Linguistics.

Meanwhile, teachers of the department of Social Work came forward to provide masks, gloves and food items to street vendors, daily wagers, home quarantined families and children affected by the coronavirus pandemic in the adopted villages — Faizullahganj, Gaur Bheet, Naya Purwa, Daud Nagar — and other areas like Shantipuram on Talkatora road and Alambagh.

Head of the department Gurnam Singh made a personal visit to Sitapur road and apprised the local vendors about the safety measures to be taken to avoid exposure to coronavirus and further spread. He gave away masks and gloves to them. He also made a visit to the department's rural research centre in Faizullahganj village and informed the locals about the system and benefits of social distancing.

AMRIT VICHAR Page 3

एलयू के प्रोफेसरों ने बांटी राहत सामग्री

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के सामाजिक कार्य विभाग के प्रोफेसरों और शिक्षकों ने सामाजिक संगठनों के माध्यम से जरूरत मंदों को राहत सामग्री वितरित की। इस बारे में जानकारी देते हुए प्रो. गुरूनाम सिंह ने बताया कि फैजुल्लागंज, गौरभीठ, नयापुरवा, दाउद नगर, शांतिपुरम व तालकटोरा में राहत सामाग्री वितरित की गयी। उन्होने बताया कि वह क्षेत्र हैं जिनको विश्वविद्यालय की ओर से गोद लिया गया है। वहीं प्रो. अनूप कुमार भारतीय ने शांतिपुरम क्षेत्र का दौरा किया और कोरोनो वारियर्स के परिवारों से मुलाकात की और उनके परिवार के सदस्यों को खाद्य सामग्री वितरित की और अभियान में उनके योगदान की सराहना की। इसके साथ ही आलमबाग क्षेत्र के कुछ स्थानों पर गया और उपायों का वर्णन किया गया। इस दौरान लोगों को कोविड—19 से बचाव के लिए जागरूक भी किया गया।